

Sugar Mills in Bihar

3375. SHRI SITARAM KESRI :
SHRI D. N. PATODIA :
SHRI R. R. SINGH DEO :
SHRI N. K. SANGHI :
SHRI MRITUNJAY
PRASAD :

Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether there is a move to shift some of the sugar mills situated in Bihar to other States ;

(b) if so, to which states and the reasons for such a decision ; and

(c) whether it would not adversely affect the economy of Bihar ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION (SHRI ANNASAHIB SHINDE) : (a) and (b). Three sugar factories (i) Dalmianagar, District Shahabad (ii) Warisaliganj, District Gaya and (iii) Siwan (SKG), District Saran, situated in Bihar have applied for the grant of licences for shifting to suitable sites in (i) Mysore States ; (ii) Andhra Pradesh/Mysore, and (iii) Goa respectively. The reasons advanced for the proposed shifting are recurrent losses due to inadequate cane supplies and inability of the area to produce the required quantity of sugarcane.

(c) The Government of Bihar have not favoured the shifting of the sugar factories at Dalmianagar and Warisaliganj. The State Government have, however, recommended the sugar factory at Siwan (SKG) on certain conditions. The State Government have further reported that this factory has undertaken to run at the existing site for two seasons more i. e. 1968-69 and 1969-70. Their programme for shifting has, therefore, to be treated as deferred for the moment.

जम्मू तथा काश्मीर को भेड़ों और बकरियों की नस्ल सुधारने के लिए सहायता

3376. श्री कुशोक बाकुला : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे

कि उनके निर्यात को बढ़ाने हेतु जम्मू तथा काश्मीर राज्य को बड़े बालों वाली बकरियों तथा भेड़ों की नस्ल सुधारने के लिए कितनी बनराशि सहायता के रूप में दी गयी है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री भन्ना-साहिब शिन्धे) : पूछी गई जानकारी इकट्ठी की जा रही है और यथा शीघ्र सभा के पटल पर रख दी जायेगी ।

लद्दाख में लघु सिंचाई कार्य

3377. श्री कुशोक बाकुला : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि जम्मू तथा काश्मीर राज्य के लद्दाख जिले में लघु सिंचाई कार्यों का विकास करने के उद्देश्य से उस राज्य के दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रों में पानी की नालियां बनाने के लिए भारत सरकार ने अब तक कितनी और क्या सहायता दी है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री भन्ना-साहिब शिन्धे) : (क) मौजूदा पद्धति के अनुसार राज्य सरकारों को केन्द्रीय सहायता विकास के बड़े धीरों धर्मात् 'कृषि उत्पादन', 'लघु सिंचाई धादि के प्रत्यर्गत दी जाती है, न कि योजना-वार । 1-4-1967 से, राज्य सरकारों को 'लघु सिंचाई' कार्यक्रम के लिए 60 प्रतिशत ऋण तथा 15 प्रतिशत अनुदान दिया जा सकता है बशर्ते कि वार्षिक मसय व्यय की स्वीकृति प्राप्त हो जाए । पानी की नालियों को बनाने के लिए सहायता के बारे में जहां तक ये लघु सिंचाई योजनाओं के एक भाग के रूप में जाती हैं, इन्हें 'लघु सिंचाई' के बड़े धीरों में शामिल किया गया है जिसके लिये समग्र रूप से राज्य को केन्द्रीय सहायता निम्नंत की जाती है न कि राज्य के किसी विशेष विने के लिए अनन्य से सहायता दी जा सकती है ।